शिक्षा का उत्थान

शिक्षक का सम्मान

मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

की प्रस्तुति

बाल साहित्य सृजन

माह- अक्टूबर 2022

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढाएँ।

#9458278429

01/10/2022

बाल साहित्य सृजन

शनिवार

1 नारियल

शाखा रहित पौधा तना है लम्बा,
सिर पर पत्तियों का मुकुट विराजे।
समुद्र स्थल में बहुतायत मिलता,
हर पूजा घर इससे ही साजे।।

पुष्टिकारक, रक्तविकार नाशक,
पाचन सुधार कर बल को बढ़ता।
तासीर है इसकी शीतल, मीठा,
हृदय विकार को दूर भगाता।।

रचना
सुषमा त्रिपाठी (स०अ०)
उ० प्रा० वि० रुद्रपुर खजनी,
गोरखपुर

2 पान

पाइपरेशी कुल का पौधा पान,
नागवल्ली लता का पत्ता पान।
मलाया द्वीप से उद्भव इसका,
उत्तर-दक्षिण भारत में होता पान।।

कई नामों से यह जाना जाता,
औषधि पूजा में उपयोग होता।
पाचक मुख शुद्धिकारक है यह,
संस्कारों का वाहक है पान।।

रचना
सुमन पाण्डेय (प्र०अ०)
प्रा० वि० टिकरी-मनौटी
खजुहा, फतेहपुर

3 लौंग

सेहत का भरपूर खजाना,
पाना हो तो लौंग है खाना।
औषधीय गुणों से भरपूर,
इम्यून सिस्टम को करता मजबूत।।

लौंग के तेल में,
मौजूद यूजेनॉल,
लिवर की कार्य क्षमता में,
करता है सुधार।।

रचना
रुपी त्रिपाठी (स०अ०)
उ० प्रा० वि० लोहारी
सरवनखेड़ा, कानपुर देहात

4 सुपारी

दक्षिण एशिया, अफ्रीका,
देशों में पाया यह जाता है।
अरेका कटेचू पौधे के फल का,
बीज यह होता है ।।

50 से 60 फीट लम्बे,
पेड़ इसके होते हैं।
पूजन करने में भी,
प्रयोग यह होते हैं।।

रचना
प्रतिमा उमराव स०अ०
उच्च प्रा०वि० अमौली (1-8)
अमौली, फतेहपुर

03/10/2022

बाल साहित्य सृजन

सोमवार

1

वर्ग

चारों ओर जुड़ा होता जो,
सीधी-सीधी रेखाओं से।
सभी भुजाएँ इसकी होती,
सदा बराबर अरु क्रम से।।

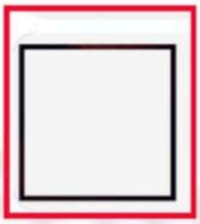

समान भुजाएँ होती है इसमें,
ज्यामितीय वर्ग कहलाता है।
इसके चारों कोनों पर,
समकोण सदा बन जाता है।।

रचना-
जुगल किशोर त्रिपाठी (शि०मि०)
प्रा० वि०- बम्हौरी
मऊरानीपुर, झाँसी

2

आयत

चार भुजाओं से घिरी,
सुन्दर है आकृति।
आमने-सामने समान,
रेखाओं की कृति।।

समकोण की बनी होती है,
चारों कोनों पर आकृति।
दो-दो भुजा समान,
आयत की आकृति।।

रचना-
सुप्रिया सिंह (स०अ०)
कम्पोजिट वि०- बनियामऊ
मछरेहटा, सीतापुर

3

त्रिभुज

तीन भुजाओं की बन्द,
आकृति को कहते हैं त्रिभुज।
पिरामिड, पर्वत, ट्रैफिक सिग्नल,
की आकृति होती है त्रिभुज।।

त्रिभुज की आकृति में,
होते हैं तीन angle।
इसीलिए अग्रेंजी में कहते,
हैं इसको triangle।।

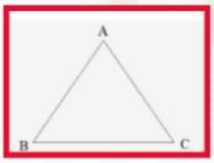

रचना-
भावना शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

4

वृत्त

होता जो भी गोल आकार,
उसको कहते वृत्ताकार।
माँ की रोटी या बॉल आकार,
यह सब होते वृत्ताकार।।

किसी एक निश्चित दूरी से,
समान दूरी पर हो स्थित।
बनाती बिन्दुओं का बिन्दुपथ,
यही कहलाता एक वृत्त।।

रचना-
सीमा शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि०- निवाड़ा
बागपत, बागपत

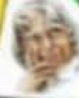

बाल साहित्य सृजन

1 दुर्गा

देवी माता का शान्त स्वरुप,
सुख-समृद्धि, शान्ति देता।
नवदुर्गा में कन्या का पूजन,
धन-वैभव, यश-सम्पदा देता।।

नौ-देवी में अष्टमी, नवमी पर,
कन्या, लांगुर पूजे जाते।
पूड़ी, हलवा और काले चने का,
भोग बना जिमाये जाते।।

रचना-
नैमिष शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० विद्यालय (1-8)- तेहरा
विकास खण्ड व जनपद- मथुरा

2 अष्टमी

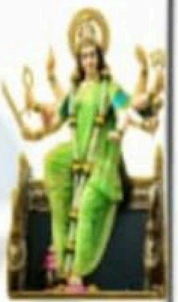

तिथि अष्टमी का महत्व,
हिन्दू धर्म में होता महान।
कन्या पूजन होता इस दिन,
और होता माँ दुर्गा का मान।।

विजय दिलाने वाली तिथि है,
इस दिन होते कई त्योहार।
गौरी, राधा, सीता और,
अहोई अष्टमी पर्व की बहार।।

रचना-
शिखा वर्मा (इं०प्र०अ०)
उ०प्रा०वि० स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

3 राम

राम, नाम जो सबको प्यारा,
सबके मन को भाता है।
दुनिया में सबसे आज्ञाकारी,
बेटा वह कहलाता है।।

एक वचन के खातिर जिसने,
राज-पाट का त्याग किया।
चौदह साल वनवास काटा,
रावण का था नाश किया।।

रचना-
शहनाज़ बानो (स०अ०)
उ० प्रा० वि० भौंरी,
मानिकपुर, चित्रकूट

4 नवमी

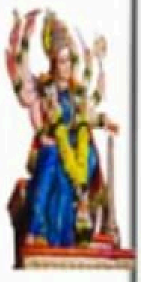

प्रत्येक हिन्दू मास में,
तिथि, नवमी दो बार आये।
कृष्ण पक्ष और शुक्ल पक्ष की,
नवमी विशेष महत्व बताये।।

भड़ली नवमी, मातृ नवमी,
कभी पावन रामनवमी।
सिद्धिदात्री का आशीष दे,
नवरात्र की तिथि नवमी।।

रचना-
ज्योति विश्वकर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि०- जारी (भाग- 1)
बड़ोखर खुर्द, बाँदा

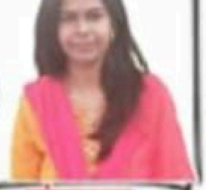

· आओ हाथ से हाथ मिलाएँ · मिशन शिक्षण संवाद · बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ ·
05/10/2022 बुधवार

बाल साहित्य सृजन

1

दशहरा पर्व

नवरात्रि के बाद में,
दशहरा पर्व आया है।
असत्य पर विजय सत्य की,
यह सन्देश भर लाया है।।

जगह-जगह रावण के पुतले जलते,
बम-पटाखे खूब फूटते।
मेले में बच्चे खुशी मनाते,
मम्मी-पापा के संग में जाते।।

रचना-
माला सिंह (स०अ०)
क० वि० भरौटा
सरधना, मेरठ

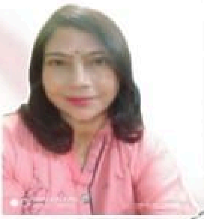

2

दुर्गा पूजा

त्यौहारों का मौसम आया,
चारों तरफ आनन्द छाया।
दुर्गा माँ की भव्य पूजा है,
सबसे कितना उत्साह है।।

पंडालो में माँ स्थापित हुई,
पूरी श्रद्धा से पूजा शुरू हुई।
सब माँ का आशीर्वाद पा रहे,
उनके चरणों में शीश झुका रहे।।

रचना-
इला सिंह (स०अ०)
उ० प्रा० वि० पनेरूवा
अमौली, फतेहपुर

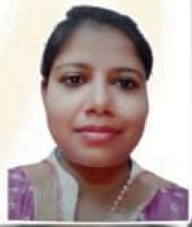

3

कन्या भोज

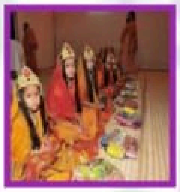

दुर्गा माँ हर पल दुख हरती,
सबकी इच्छा पूरी करती।
नौ दिनों तक पूजा चलती,
नौ रूपों में दुर्गा माँ सजती।।

छोटी-छोटी कन्या घर में आती,
हलवा-पूड़ी का भोग लगाती।
देते हैं हम उन्हें साथ में उपहार,
अम्बे माँ लगती वे साक्षात् अवतार।।

रचना-
नीलम भास्कर (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सिसाना,
बागपत

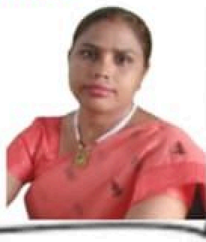

4

महाष्टमी

नवरात्रि के नौ दिनों में,
अष्टमी का विशेष महत्व होता।
नवरात्रि की अष्टमी तिथि को,
महाष्टमी नाम से जाना जाता।।

दुर्गा माँ के आठवें स्वरूप,
महागौरी का पूजन करते।
कन्याओं को माँ का स्वरूप,
मानकर भोज उन्हें खिलाते।।

रचना-
आरती यादव (स०अ०)
प्रा० वि० रनियां प्रथम
सरवनखेड़ा, कानपुर देहात

आपका दिन शुभ हो..
शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण.
शिकायत या सुझाव के लिए व्हाट्सएप करें.. 94582 78429
संकलन काव्यांजलि टीम मिशन शिक्षण संवाद

मिशन शिक्षण संवाद
• आओ हाथ से हाथ मिलाएँ • मिशन शिक्षण संवाद • बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ •

06/10/2022 गुरुवार

बाल साहित्य सृजन

1 आकाश

*नभ, अम्बर, आकाश, गगन,
हैं इसके कई नाम।
सूरज, चन्दा जिसमें चमके,
प्रकाश देना काम।।*

*हवा चलती, बादल छाते,
रात में तारे टिमटिमाते।
नीला नीला प्यारा सा अम्बर,
पक्षी उड़ते गाते जाते।।*

**रचना-
हेमलता गुप्ता (स०अ०)
प्रा०वि० मुकन्दपुर
लोधा, अलीगढ**

2 जल

*जल जीवन है,
तुम सब जानो।
जल बिन जीवन अधूरा,
तुम सब मानो।।*

*बारिश में रिमझिम-रिमझिम,
बरसता है ये।
मोना, चिंकी, रिंकी, मिंकी को,
खूब सुहाना लगता है ये।।*

**रचना-
शिप्रा सिंह (स० अ०)
उ० प्रा० वि० रूसिया
अमौली, फतेहपुर**

3 धरती

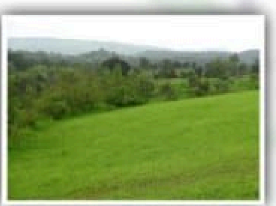

*भू, भूमि, वसुन्धरा,
धरती जिसका नाम।
धरती पर हरियाली है,
जीनव है इस पर तमाम।।*

*पशु-पक्षी नर नारी रहते,
करते दिन रात यहाँ काम।
धरती पर ही स्वर्ग है बहता,
पंचत्व में एक हैं इसका नाम।।*

**रचना-
वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि०चन्दवक
डोभी, जौनपुर**

4 वायु

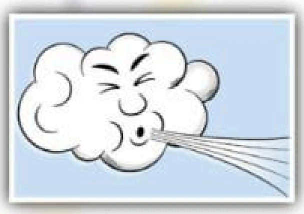

*पंचतत्वों में से एक,
वायु इसका नाम।
जीवन देती सबको,
बहना इसका काम।।*

*समीर, मलय, हवा,
भी कही जाती है।
जब रफ्तार बढ़ जाये,
ये तूफान कहलाती है।।*

**रचना-
ज्योति सागर (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सिसाना
बागपत, बागपत**

07/10/22 शुक्रवार

बाल साहित्य सृजन

1

रावण

असुरों का राजा रावण,
कूट-कूट कर भरा था ज्ञान।
चुरा के सीता को ले आया,
देवी को न सका वो जान।।

लड़ने को तैयार राम से,
रावण भी यह गया था जान।
राम नहीं कोई इंसान।
प्रगटे हैं भू पर भगवान।।

रचना-
पूनम गुप्ता"कलिका"(स०अ०)
प्रा०वि० धनीपुर, धनीपुर
अलीगढ़

2

दशहरा

पावन पर्व दशहरे का,
ढेर सारी खुशियाँ लाया।
अच्छाई की जीत का,
सुन्दर संदेश साथ लाया।।

मेला घूमने हम जायेंगे,
रावण का पुतला देखेंगे।
खूब मिठाई भी खायेंगे,
दोस्तों संग मस्ती करेंगे।।

रचना-
अनुप्रिया यादव (स०अ०)
क० वि० काजीखेड़ा
खजुहा, फतेहपुर

3

दशहरे का त्यौहार

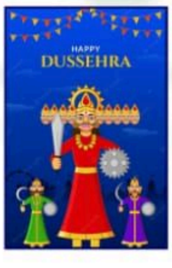

बुराई पर अच्छाई की जीत को,
दर्शाता है दशहरे का त्यौहार।
सबके जीवन में ढेरों खुशियाँ,
लाता है यह पावन त्यौहार।।

हम सब मिलकर अपने अन्दर,
के अवगुणों को मिटाएँ।
सत्य की राह अपनाकर,
सुन्दर सारा संसार बनाएँ।।

रचना-
मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात

4

धर्म की जीत

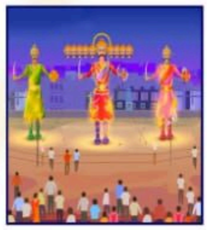

राम लखन हनुमान सहित,
लंका पर करी चढ़ाई।
एक-एक योद्धा को मारकर,
धर्म पताका फहराई।।

तब से हम सब प्रति वर्ष,
दशहरा का पर्व मनाते हैं।
अधर्म पर धर्म की जीत का,
पावन पर्व मनाते हैं।।

रचना-
अमित गोयल (स०अ०)
प्रा० वि० निवाड़ा
बागपत, उत्तर प्रदेश

08/10/2022 शनिवार

बाल साहित्य सृजन

1 कालीमिर्च

मरिचपिप्पली लता का,
अधपका सूखा फल कालीमिर्च।
उपयोग बहुत है कालीमिर्च का,
मसाले में प्रयुक्त होती कालीमिर्च।।

पाइपर नाइग्रम वैज्ञानिक नाम,
इम्यूनिटी बढ़ाने में मददगार।
एण्टीऑक्सीडेंट व ओबेसिटी प्रभावी,
डायबिटीज, ब्लडप्रेशर में असरदार।।

रचना
सुमन पाण्डेय (प्र०अ०)
प्रा० वि० टिकरी-मनौटी
खजुहा, फतेहपुर

2 जायफल

जायफल तो,
औषधीय गुणों की खान है।
इसके उपयोग से नही होता,
सर्दी और जुकाम है।।

इसका वैज्ञानिक नाम,
मिरिस्टिका फ्रेग्रेस हॉट है।
जायफल में एक खास महक,
और रसोई के मसालों का स्वाद है।।

रचना
रुपी त्रिपाठी (स०अ०)
उ० प्रा० वि० लोहारी
सरवनखेड़ा, कानपुर देहात

3 दालचीनी

औषधि रूप है दालचीनी,
आयुर्वेद में इसका प्रयोग।
भूख बढ़ाए, हिचकी रोके,
दाँत दर्द में इसका उपयोग।।

खाँसी में होता आराम,
पेट दर्द को है रोकता।
वजन नियन्त्रित करता है,
उल्टी को भी है रोकता।।

रचना
सुषमा त्रिपाठी (स० अ०)
उच्च प्राथमिक विद्यालय
रुद्रपुर खजनी, गोरखपुर

4 तेजपत्ता

तेजपत्ता है बड़ा गुणकारी,
भोजन में सुगन्ध बढ़ाए भारी।
तेजपत्ता के फायदे हैं अनेक,
डायबिटीज की दवा है एक।।

सुखाकर पत्ते को बनाते हैं इसे,
खाँसी, इनफ्लुएंजा में खाते हैं इसे।
कोलेस्ट्रॉल को करे सामान्य,
किडनी समस्या में देता है आराम।।

रचना
प्रतिमा उमराव (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० अमौली (1-8)
अमौली, फतेहपुर

10/10/2022

सोमवार

बाल साहित्य सृजन

1

वृक्ष

ठण्डी-ठण्डी छाया देते,
हरियाली फैलाते वृक्ष।
ऑक्सीजन देते हैं सबको,
औषधि देते हमको वृक्ष।।

फल और फूल से लदे हुए,
झूला-झूलाते हमको वृक्ष।
जलाऊ और फर्नीचर लकड़ी,
देते हमें, बनाते दक्ष।।

रचना-
सीमा शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि०- निवाड़ा
बागपत, बागपत

2

लताएँ

बेल, लता को हैं हम कहते,
यह होती पतली, लम्बी।
लकड़ी, डोर, वृक्ष पर लिपटे,
बढे जल्द, इसकी खूबी।।

इन्हें सहारा ज्यों ही मिलता,
आसमान को छूती हैं।
तोरई, कद्दू, गिलोय, करेला,
अन्य बहुत, फल-फूलती हैं।।

रचना-
जुगल किशोर त्रिपाठी (शि०मि०)
प्रा० वि०- बम्हौरी
मऊरानीपुर, झाँसी

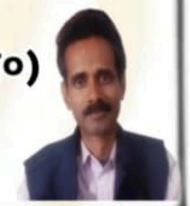

3

फल

वृक्षों, पौधों की डाली पर,
सुन्दर-सुन्दर लगते फल।
कली-कली से पुष्प खिलकर,
मन ललचाते हैं पल-पल।।

मीठे-खट्टे, तीखे-कड़वे,
बिबिध स्वाद के होते फल।
रँगीन हो जाते हैं पककर,
पौष्टिकता देते हैं फल।।

रचना-
सुप्रिया सिंह (स०अ०)
कम्पोजिट वि०- बनियामऊ
मछरेहटा, सीतापुर

4

फूल

सबसे सुन्दर भाग पेड़ का,
कहते हैं हम जिसको फूल।
इसकी मनमोहक खुशबू में,
जाते हैं दुःख सारे भूल।।

फूल से ही फल है बनते
जिसमें होते बीज नये।
नव सृजन की अद्भुत क्षमता,
अपने में रखते हैं ये।।

रचना-
भावना शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

• आओ हाथ से हाथ मिलाएँ • मिशन शिक्षण संवाद • बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ •

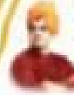

11-10-2022

मंगलवार

बाल साहित्य सृजन

1 स्वर्ण पदक

अंग्रेजी में स्वर्ण पदक ही,
गोल्ड मेडल कहलाये।
गैर सैन्य क्षेत्रों में यह,
उच्चतम उपलब्धि दर्शाये।।

मिश्र धातु या परत के रूप में,
सोना प्रयोग किया जाये।
देश, खेल के आधार पर,
विशिष्ट आकृति बदल जाये।।

रचना-
ज्योति विश्वकर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि०- जारी (भाग- 1)
बड़ोखर खुर्द, बाँदा

2 रजत पदक

आओ! बच्चों दौड़ लगाएँ,
जो जीते उसे पदक दिलाएँ।
प्रथम वाला स्वर्ण पदक पाता,
द्वितीय वाला रजक पदक लाता।।

रजत पदक चाँदी का होता,
इसका महत्व कम नहीं होता।
कोई प्रतियोगिता में जब जाना,
कोई पदक जरूर जीत कर आना।।

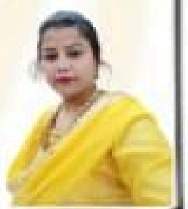

रचना-
शहनाज़ बानो (स०अ०)
उ० प्रा० वि० भौंरी,
मानिकपुर, चित्रकूट

3 ताम्र पदक

ओलम्पिक या राष्ट्रमण्डल,
खेलों में जो खिलाड़ी खेलते।
तीसरा स्थान पाने वाले,
खिलाड़ी को ताम्र पदक देते।।

सन् 1904 के ओलम्पिक खेलों से,
हुई शुरुआत ताम्र पदक देने की।
सेमीफाइनल हारने वाले खिलाड़ी को भी,
प्रथा है सम्मानित करने की।।

रचना-
शिखा वर्मा (इं०प्र०अ०)
उ० प्रा० वि० स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

4 ट्रॉफी

किसी विशिष्ट उपलब्धि पर,
दिया जाने वाला पुरस्कार।
कहलाता है पदक या ट्रॉफी,
खुशी होती पाकर अपार।।

खेल जगत, संगीत, ताइक्वांडो,
पर्वत के शिखर जो चढ़े उसको।
अद्भुत क्षमता, दक्षता दिखाये,
ट्रॉफी प्रदान की जाती जिसको।।

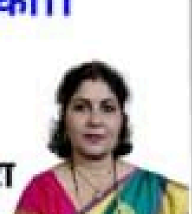

रचना-
नैमिष शर्मा (स०अ०)
उच्च प्रा० विद्यालय (1-8)- तेहरा
विकास खण्ड व जनपद- मथुरा

आपका दिन शुभ हो..
शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण.
शिकायत या सुझाव के लिए व्हाट्सएप करें.. 94582 78429
संकलन
काव्यांजलि टीम
मिशन शिक्षण संवाद

बाल साहित्य सृजन

1

रात सुहागन वाली

महिलाओं का प्यारा पर्व,
आँखों में आस, प्रसन्न मनवा।
सुहागन करने चलीं पूजा,
लेकर थाली, दीपक, करवा।।

छलनी में से देखें चन्दा,
लेकर के पूजा की थाली।
करवा चौथ की करें कहानी,
है ये रात सुहागन वाली।।

रचना-
पूनम गुप्ता"कलिका"(स०अ०)
प्रा०वि० धनीपुर, धनीपुर
अलीगढ़

2

त्योहारों की बौछार

त्योहारों की बौछार आयी,
संग अपने खुशियाँ लायी।
हम सब खूब मिठाई खायेंगे,
घर अपना फूलों से सजायेंगे।।

करवा चौथ अब है आया,
ढेर सारे पकवान लाया।
हाथों में मेंहदी लग रही,
चन्दा मामा की पूजा हो रही।।

रचना-
अनुप्रिया यादव (स०अ०)
क० वि० काजीखेड़ा
खजुहा, फतेहपुर

3

करवा चौथ

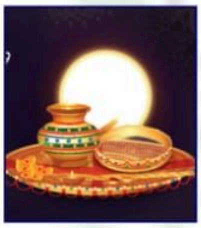

करके सोलह श्रृंगार,
महिलाएँ रखती उपवास हैं।
पति की हो लम्बी आयु,
सबको पूर्ण विश्वास है।।

श्रद्धा और विश्वास से महिलाएँ,
करवा चौथ मनाती हैं।
पति की मंगल कामना के लिए,
सब मंगल गीत गाती हैं।।

रचना-
मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात

4

पावन पर्व

करवाचौथ का पावन पर्व,
लाता है खुशियाँ अपार।
सजती सँवरती सुहागिनें,
करती हैं सोलह श्रृंगार।।

विधि-विधान से कर पूजा,
रखती हैं निर्जल व्रत अनाहार।
दीर्घायु हो मेरे पति देव,
चन्द्रदेव से करती हैं मनुहार।।

रचना-
अमित गोयल (स०अ०)
प्रा० वि० निवाड़ा
बागपत, उत्तर प्रदेश

15/10/2022

बाल साहित्य सृजन

शनिवार

1

मिठाई

रिश्तों में मिठास घोले मिठाई,
छोटे-बड़े सबको भाये मिठाई।
त्योहारों की शान बढ़ाये मिठाई,
सबका जी ललचाये मिठाई।।

पेड़ा, बर्फी, रसगुल्ला हैं नाम अनेक,
जलेबी, काजू, कतली भी हैं उनमें एक।
रबड़ी, रसमलाई है मेरे मन को भाई,
दीवाली आई संग मिठाई भी आई।।

रचना
प्रतिमा उमराव (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० अमौली (1-8)
अमौली, फतेहपुर

2

दीपोत्सव

दीपों का उत्सव दीपोत्सव,
दीपावली कहलाता है।
जगमग दिए जलाने से,
जग रोशन हो जाता है।।

धूम मची दीपोत्सव की,
हर घर मे उल्लास है।
कोने-कोने दीप सजे है,
उजियारे का राज है।।

रचना
रुपी त्रिपाठी (स०अ०)
उ० प्रा० वि० लोहारी
सरवनखेड़ा, कानपुर देहात

3

रंगोली

सात रंग से सजी रंगोली,
शुभ रंगों में ढ़ली रंगोली।
सृजन प्रकृति के संग रंगों का,
शुभता संग संस्कार प्रकृति का।।

ओंकारेश्वर शोभा बढ़ाए,
अभय गणेश का वर पाए।
हर्षित हो सब रंगोली सजाए,
लक्ष्मी गणेश सभी के घर आए।।

रचना
सुषमा त्रिपाठी (स० अ०)
उ० प्रा० विद्यालय रुद्रपुर खजनी
गोरखपुर

4

पटाखे

शादी बारात या त्योहार,
आतिशबाज़ी आती याद।
दीपावली या जन्मदिन की बात,
पटाखों की हो बरसात।।

रासायनिक इसमें उत्पाद,
बारूद का उपयोग खास।
बच्चे छुटायें बड़ों के साथ,
अधिकता से प्रदूषण आज ।।

रचना
सुमन पाण्डेय (प्र०अ०)
प्रा० वि० टिकरी-मनौटी
खजुहा, फतेहपुर

बाल साहित्य सृजन

1

जल

जल बिन जीवन है कल्पना,
हो जैसे कोई बुरा सा सपना।
जल है जीवन का आधार,
इसे बचाओ तुम हर बार।।

बिना पानी हम जी नहीं पायें,
तड़प-तड़प कर ही मर जायें।
जीव-जन्तु या हो पशु-पक्षी,
सब इससे ही जीवन पायें।।

रचना-
भावना शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

2

अग्नि

अग्नि बिन कोई कार्य न होता,
अग्नि को हम कहते आग।
अग्नि पर ही बनता खाना,
सर्दी में हम तापें आग।।

आग, अनल, पावक होते,
अग्नि के ही दूसरे नाम।
कारखाने निर्भर अग्नि पर,
अग्नि पर निर्भर हम व आप।।

रचना-
सीमा शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि०- निवाड़ा
बागपत, बागपत

3

वायु

वायु, प्राणवायु है सबकी,
सबको ऑक्सीजन देती है।
शुद्ध हवा से स्वस्थ रहें हम,
सबके उर, ऊर्जा भरती है।।

पेड़ लगाओ, स्वास्थ्य बनाओ,
ये हम सबका नारा है।
जीवन सुंदर, सुखद बने यदि,
शुद्ध वायु का मिले सहारा है।।

रचना-
जुगल किशोर त्रिपाठी (शि०मि०)
प्रा० वि०- बम्हौरी
मऊरानीपुर, झाँसी

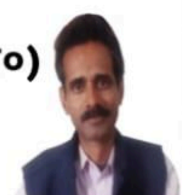

4

बादल

जल वाष्प कण आकाश में,
संघनित हो बनते बादल।
ढक देते छाकर किरणपुंज,
दृश्यमान जलराशियों के दल।।

लाते बिजली सँग बरखा,
छाते नभ पर जब बादल,
ठण्डा जल देते बरसा,
छाकर काले-काले बादल।।

रचना-
सुप्रिया सिंह (स०अ०)
कम्पोजिट वि०- बनियामऊ
मछरेहटा, सीतापुर

मिशन शिक्षण संवाद
• आओ हाथ से हाथ मिलाएँ • मिशन शिक्षण संवाद • बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ •
18-10-2022 मंगलवार

बाल साहित्य सृजन

1

घण्टी

आरती हाथ में लेकर करते,
हम सब घण्टी बजाते हैं।
घण्टी कप के आकार की,
अन्दर से खोखली बनाते हैं।।

घण्टी की मधुर आवाज़,
सब के मन को भाती है।
ताँबे, पीतल, काँसे से,
यह निर्मित की जाती है।।

रचना-
शहनाज़ बानो (स०अ०)
उ० प्रा० वि० भौंरी,
मानिकपुर, चित्रकूट

2

शंख

एक समुद्री जीव के द्वारा,
निर्मित होता इसका ढाँचा।
खरीदने से पहले इसको,
बहुत है परखा-जाँचा।।

समुद्र मन्थन के आठवें,
रत्न के रूप में आया।
हिन्दू धर्म में है पवित्र,
शैवों ने वर्जित पाया।।

रचना-
ज्योति विश्वकर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि०- जारी (भाग- 1)
बड़ोखर खुर्द, बाँदा

3

घण्टा

मन्दिर, विद्यालय में बजता,
ध्वनि इसकी मनभावन होती।
लोहे का या पीतल का गोल,
मोटी चादर इसकी होती।।

मन्दिर में आरती में बजता,
ध्वनि कथा, भागवत में सुनते।
मन नमन करे सुन ईश्वर को,
विद्यालय में ध्वनि सुन हम पढ़ते।।

रचना-
नैमिष शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० विद्यालय (1-8)- तेहरा
विकास खण्ड व जनपद- मथुरा

4

नगाड़ा

चर्मपत्र और ताँबे से बने नगाड़ा,
लोक वाद्य यन्त्र एक निराला।
सामूहिक उत्सवों में नृत्य के लिए,
शुभ अवसरों पर बजने वाला।।

अर्धवृत्त आकार, जोड़े में होता,
दो डण्डियों से बजाया जाता।
"नक्कारा" भी कहते हैं लोग,
जिसको खूब सजाया जाता।।

रचना-
शिखा वर्मा (इं०प्र०अ०)
उ० प्रा० वि० स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

बाल साहित्य सृजन

1 खुशियों की दीपावली

दीपों का प्यारा त्योहार आया,
साथ खुशियां हजार लाया।
सब स्नेह से दीप जला रहे हैं,
अन्धकार को मिटा रहे हैं।।

दीवाली नव ऊर्जा को लाती हैं,
आपस के बैर को मिटाती हैं।
आनंद की आभा छा जाती हैं,
रोशनी सबके मन को भाती हैं।।

रचना-
इला सिंह (स०अ०)
उ० प्रा० वि० पनेरूवा
अमौली, फतेहपुर

2 रंगोली

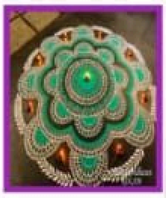

मुन्नी, रश्मि आओ रंगोली बनाएं,
रंग बिरंगे फूलों से इसे सजाए।
भर दें हम इसे प्यार और दुलार,
दीपों से जगमग लगा दें कतार।।

हर उत्सव पर रंगोली बनाते,
खुशियां अपने पास बुलाते।
हो मुबारक दीपों का त्योहार,
हंसी खुशी की आएं बहार।।

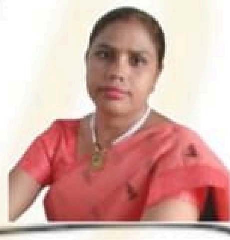

रचना-
नीलम भास्कर (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सिसाना,
बागपत, बागपत

3 झालर

आया दीपावली का त्योहार,
संग ढेर सारी खुशियाँ लाया।
बच्चे और बड़ो ने मिलकर,
अपने घरों को सजाया है।।

राजू और पिंकी लेकर आए,
बाजार से रंग बिरंगी झालरें।
झालरों से उनका घर जगमगाए,
चारों तरफ रोशनी यह बिखेरे।।

रचना-
आरती यादव (स०अ०)
प्रा० वि० रनियां प्रथम
सरवनखेड़ा, कानपुर देहात

4 गणेश लक्ष्मी

दीपावली का त्यौहार प्यारा,
जगमग यह पर्व बड़ा न्यारा।
लक्ष्मी गणेश का पूजन होता,
घर दीपों, झालर से रोशन होता।।

इनके पूजन से धन प्राप्ति होती,
दुख और दरिद्रता दूर होती।
सुख शान्ति आती सबके द्वार,
विनती,आरती करते हैं बारम्बार।।

रचना-
माला सिंह (स०अ०)
क० वि० भरौटा
सरधना, मेरठ

बाल साहित्य सृजन

1 राम

पिता थे राजा दशरथ,
थी कौशल्या मैया।
भरत, शत्रुघ्न और लक्ष्मण,
इनके प्यारे भैया।।

शिव के महाधनुष को तोड़ा,
सीता जी से नाता जोड़ा।
ऐसे थे बलशाली श्री राम,
उनको है कोटि-कोटि प्रणाम।।

रचना-
हेमलता गुप्ता (स०अ०)
प्रा०वि० मुकन्दपुर
लोधा, अलीगढ

2 लक्ष्मण

राज दुलारे सबके प्यारे,
थे वो प्यारे लक्ष्मण भाई।
थोड़े हठी पर बहुत पराक्रमी,
सबके चहीते लक्ष्मण भाई।।

राम सीता के संग वनवास चले,
सब राजकाज तक को ठुकराया।
राम भक्त थे इतने बड़े वह कि,
चौदह वर्ष बिन सोए गुजारा।।

रचना-
शिप्रा सिंह (स० अ०)
उ० प्रा० वि० रूसिया
अमौली, फतेहपुर

3 भरत

राम, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न थे भाई
भरत ने भाई धर्म खूब निभाया।
चरण पादुका राम का लेकर,
अयोध्या का राज काज चलाया।।

वन से जब लौटे श्री राम जी,
गद्दी पर मुकुट सहर्ष पहनाई।
चारों भाई जय जयकार करें,
अयोध्या ने दीपावली मनाई।।

रचना-
वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि०चन्दवक
डोभी, जौनपुर

4 शत्रुघ्न

राम लखन भरत के,
सबसे छोटे ये भाई।
लक्ष्मण के जुड़वाँ थे,
सुमित्रा इनकी माई।।

श्रुतकीर्ति बनीं इनकी पत्नी,
सुबाहु, शत्रुघाती पुत्र हुये।
उस समय जो थी मधुपुरी,
अब की मथुरा के राजन रहे।।

रचना-
ज्योति सागर (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सिसाना
बागपत, बागपत

21/10/22

शुक्रवार

बाल साहित्य सृजन

1

तीज-त्योहार

तीज-त्योहार पर सपने,
सभी के दिल संजोते हैं।
रची मेहंदी, सजी चूड़ी,
हमारे हाथ होते हैं।

हमारे पर्व ये सारे,
खुशियाँ साथ लाते हैं।
साथ में हँसते-गाते हैं,
और त्योहार मनाते हैं।।

रचना-
पूनम गुप्ता"कलिका"(स०अ०)
प्रा०वि० धनीपुर, धनीपुर
अलीगढ़

2

त्योहारों की तैयारी

घरों की साफ-सफाई,
करने की अब बारी आयी।
तरह-तरह की मिठाई,
बनाने की शुभ घड़ी आयी।।

त्योहारों की तैयारी करेंगे,
घर को दीपों से सजायेंगे।
सबके साथ मस्ती करेंगे,
खूब पटाखे भी छुटायेंगे।।

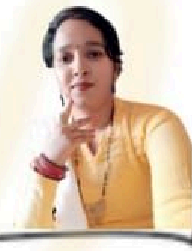

रचना-
अनुप्रिया यादव (स०अ०)
क० वि० काजीखेड़ा
खजुहा, फतेहपुर

3

त्योहारों का मौसम

त्योहारों का मौसम आया,
साथ में ढेरों खुशियाँ लाया।
घर-घर में रौनक छाएगी,
मम्मी खूब मिठाई बनाएगी।।

हम घर को सजाएँगे,
नए-नए कपड़े लाएँगे।
त्योहारों के इस मौसम को,
हम धूमधाम से मनाएँगे।।

रचना-
मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात

4

त्योहार लाते खुशियाँ

त्योहार आते खुशियाँ लाते,
सबके मन को खूब लुभाते।
नव परिधान धारण कर,
सब मिलकर इन्हें मनाते।।

व्यंजन और पकवान बनाते,
खूब मिठाई घर में लाते।
एक दूजे संग मिल बाँटकर,
सब मिलकर त्योहार मनाते।।

रचना-
अमित गोयल (स०अ०)
प्रा० वि० निवाड़ा
बागपत, उत्तर प्रदेश

22/10/2022

बाल साहित्य सृजन

शनिवार

1

करवाचौथ

हाथों में मेंहदी के संग,
सोलह श्रृंगार है।
सौभाग्य की कामना संग।
व्रत का अधिकार है।।

करवाचौथ मनाते हैं हम,
कार्तिक मास की चतुर्थी को।
पति की लम्बी उम्र के लिए,
करवाचौथ का त्यौहार है।।

रचना
रुपी त्रिपाठी (स०अ०)
उ० प्रा० वि० लोहारी
सरवनखेड़ा, कानपुर देहात

2

ज्युतिया व्रत

आश्विन मास की कृष्ण पक्ष में,
अष्टमी तिथि को पूजा होती है।
दीर्घायु, यशस्वी हो सन्तान,
मंगलकामना ऐसी होती है।।

निर्जला व्रत रखती माताएं,
पूजा भक्ति भाव से करतीं हैं।
नेक मनाती दिनभर ईश्वर से,
फल फूल भी अर्पित करती हैं।

रचना
प्रतिमा उमराव (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० अमौली (1-8)
अमौली, फतेहपुर

3

हरितालिका तीज

अखण्ड सुहाग रहे अपना,
शिव का आराधन करती हूँ।
माँ पार्वती सा सुख पाऊँ,
हरितालिका व्रत मैं करती हूँ।।

मास भाद्रपद शुक्लपक्ष की,
तिथि सौभाग्यवती तृतीया।
कर कठोर व्रत निर्जल रह,
अचल सुहाग की करे बतिया।।

रचना
सुषमा त्रिपाठी (स०अ०)
उ० प्रा० वि० रुद्रपुर खजनी,
खजनी, गोरखपुर

4

अहोई अष्टमी

कार्तिक मास कृष्ण पक्ष की,
अष्टमी तिथि को मनाई जाती।
माता पार्वती की होती आराधना,
संतान की लम्बी आयु की प्रार्थना।।

तारे देख होती है शुरू पूजा,
संतान हेतु ना व्रत है दूजा।
सुख-समृद्धि मिले प्रचण्ड,
अहोई अष्टमी व्रत है अखण्ड।।

रचना
सुमन पाण्डेय (प्र०अ०)
प्रा० वि० टिकरी-मनौटी
खजुहा, फतेहपुर

बाल साहित्य सृजन

1

नरक चतुर्दशी

रूप चौदस, नरक चतुर्दशी,
छोटी दीवाली, काली चतुर्दशी।
नाम अनेक, पर्व है एक,
लोक प्रथाएँ-कथाएँ अनेक।।

नरकासुर को कृष्ण ने मार,
हजारों स्त्रियों का किया उद्धार।
दीप जला तब खुशी मनाई,
नरक चतुर्दशी अस्तित्व में आयी।।

रचना-
सुप्रिया सिंह (स०अ०)
कम्पोजिट वि०- बनियामऊ
मछरेहटा, सीतापुर

2

दीवाली

चौदह साल का वनवास,
काट राम घर को आये।
अयोध्या में रहने वालों ने,
स्वागत में दीपक जलाये।।

दीपों के इस स्वागत से,
शुरू हुई फिर दीवाली।
सबके मन में हों खुशियाँ,
रहे ना किसी की झोली खाली।।

रचना-
भावना शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

3

गोवर्धन पूजा

दीपावली से अगले दिन आती,
यह गोवर्धन पूजा कहलाती।
पूजा जाता गौ माता को,
और पूजते गोवर्धन को।।

गोबर से गोवर्धन पर्वत बनाते,
ग्वाल-बाल संग साथ बिठाते।
सभी उसकी परिक्रमा लगाते,
इस तरह सभी त्योहार मनाते।।

रचना-
सीमा शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि०- निवाड़ा
बागपत, बागपत

4

भाई दूज

यमुना ने अपने भाई को,
था यम नाम, बुला कई बार।
आये एक दिन यम बहना घर,
कीन्हा भोजन, पाया सत्कार।।

यम ने कहा जो बहना इस दिन,
बुला भ्रात भोजन करवावे।
रहे सुखी, संकट से हीन वह,
पर्व चला तबसे यह आवे।।

रचना-
जुगल किशोर त्रिपाठी (शि०मि०)
प्रा० वि०- बम्हौरी
मऊरानीपुर, झाँसी

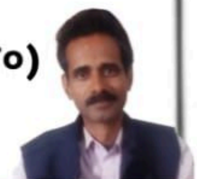

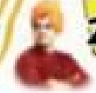

25-10-2022

बाल साहित्य सृजन

मंगलवार

1 अमावस्या

माह की 15 वीं और कृष्णपक्ष की,
अन्तिम तिथि को अमावस्या कहते।
इस तिथि का हिन्दू जन-जीवन में,
बड़ा महत्व और योगदान मानते।।

सोमवार को पड़ने वाली अमावस्या,
सोमवती अमावस्या कहलाती है।
माघ माह की अमावस्या भी तो,
"मौनी अमावस्या" कहलाती है।।

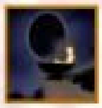

रचना-
शिखा वर्मा (इं०प्र०अ०)
उ०प्रा०वि० स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

2 सूर्य ग्रहण

पृथ्वी, सूर्य की परिक्रमा करती।
चन्द्रमा पृथ्वी की करता,
इस प्रक्रिया में सूर्य और पृथ्वी के,
बीच में जब चन्द्रमा होता।।

सूर्य का प्रकाश चन्द्रमा के कारण,
पृथ्वी पर कुछ समय नहीं आ पाता।
अमावस्या के दिन यह घटित होता,
इस घटना को सूर्यग्रहण कहा जाता।।

रचना-
नैमिष शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० विद्यालय (1-8)- तेहरा
विकास खण्ड व जनपद- मथुरा

3 खण्डग्रास

खण्डग्रास की स्थिति,
प्यारे बच्चों तब पाते।
सूर्य और चन्द्रमा जब,
एक सीध में न आते।।

कुछ ही अंश को चन्द्रमा,
सूर्य के तब ढ़क पाता है।
सूर्यग्रहण तब पूर्ण नहीं,
खण्डग्रास कहलाता है।।

रचना-
ज्योति विश्वकर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि०- जारी (भाग- 1)
बड़ोखर खुर्द, बाँदा

4 सूतक काल

सूर्य ग्रहण, चन्द्र ग्रहण,
का समय जब आता है।
उससे पहले का समय,
सूतक काल माना जाता है।।

इस समय को वेदों में,
पूजा-पाठ का कहा जाता है।
सूतक काल में शुभ कार्य का,
फल अशुभ ही आता है।।

रचना-
शहनाज़ बानो (स०अ०)
उ० प्रा० वि० भौंरी,
मानिकपुर, चित्रकूट

26/10/2022

बाल साहित्य सृजन

बुधवार

1

लौह पुरुष

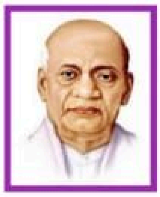

आधुनिक भारत के राष्ट्र निर्माता,
सरदार वल्लभ भाई पटेल है।
31 अक्टूबर को गुजरात में जन्मे,
यह स्वतंत्रता संग्राम सेनानी है।।

स्वतंत्रत भारत के प्रथम प्रधानमंत्री,
और उपमंत्री भी कहलाते हैं।
अपनी दृढ़ता, कार्य क्षमता के कारण,
लौह पुरुष के नाम से पुकारे जाते हैं।।

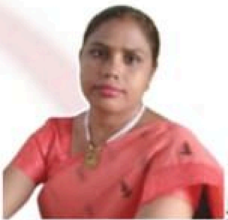

रचना-
नीलम भास्कर (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सिसाना,
बागपत, बागपत

2

सरदार वल्लभभाई पटेल जयन्ती

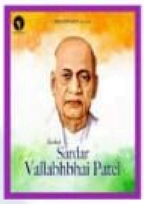

31अक्टूबर 1875 को जन्मे,
सरदार वल्लभभाई पटेल।
राष्ट्रीय एकता के सूत्रधार बने,
सरदार वल्लभभाई पटेल।।

देशी रियायतों के एकीकरण में,
था महत्वपूर्ण योगदान इनका।
राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में,
मनाते जन्मदिवस इनका।।

रचना-
आरती यादव (स०अ०)
प्रा० वि० रनियां प्रथम
सरवनखेड़ा, कानपुर देहात

3

अन्नकूट

आज होती है गोवर्धन पूजा,
अन्नकूट है इसका नाम दूजा।
गोबर से गोवर्धन बनाया जाता,
फूल, लताओं से सजाया जाता।।

अन्नकूट एक सामूहिक भोज होता,
मन्दिरों मे प्रसाद के रूप में बँटता।
सब्जियाँ मिलाकर बनायी जाती,
एक साथ मिलकर खायी जाती।।

रचना-
इला सिंह (स०अ०)
उ० प्रा० वि० पनेरूवा
अमौली, फतेहपुर

4

भाई दूज

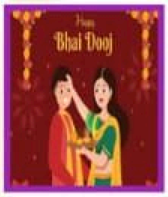

दीपावली के बाद आता,
भाई-बहन का प्यारा पर्व।
भाई दूज यह कहलाता,
होता जिस पर हमे गर्व।।

बहन भाई को तिलक लगाती,
साथ नारियल का गोला देती।
भाई बहन को उपहार देता,
दोनों में स्नेह का बंधन बँधता।।

रचना-
माला सिंह (स०अ०)
क० वि० भरौटा
सरधना, मेरठ

· आओ हाथ से हाथ मिलाएँ · **मिशन शिक्षण संवाद** · बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ ·

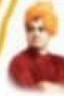

27/10/2022 **गुरुवार**

बाल साहित्य सृजन

1 प्यारा भाई

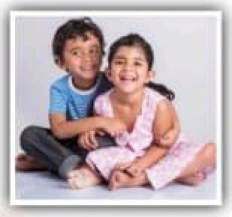

बड़ा ही नटखट मेरा भाई,
करता मुझसे रोज लड़ाई।
फिर भी मेरा बहुत लाडला,
मेरा छोटा प्यारा भाई।।

मेरी इच्छा पूरी करता,
मेरे सारे नखरे सहता।
मेरे बिना न वो रह सकता,
ऐसा मेरा प्यारा भाई।।

रचना-
हेमलता गुप्ता (स०अ०)
प्रा०वि० मुकन्दपुर
लोधा, अलीगढ

2 बहन का लाडला

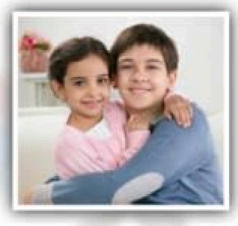

घर का राज दुलारा वो,
बहनों का वो लाडला भाई।
माँ पापा की आँखों का तारा,
बहनों की रक्षा करता भाई।।

भाई दूज पर तिलक लगाकर,
खूब इठलाता है वो भाई।
बहनों से करता नोंक झोंक पर,
हमेशा साथ देता है भाई।।

रचना-
शिप्रा सिंह (स० अ०)
उ० प्रा० वि० रूसिया
अमौली, फतेहपुर

3 मेरा भईया

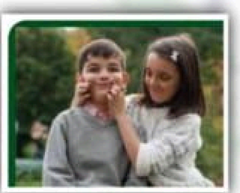

मुझको प्यारा मेरा भईया
जग में न्यारा मेरा भईया।
लड़ते-झगड़ते हम दोनों,
फिर हमे मनाता भईया।।

माँ पापा को हम दोनों प्यारे,
संग-संग हम घुमने जाते बजारे।
दादी-दादा के आँखों का तारा,
मुझको प्यारा मेरा भईया।।

रचना-
वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि०चन्दवक
डोभी, जौनपुर

4 भाई-बहन

भाई-बहन का नाता,
जग में सबसे प्यारा।
पल में रुठे, पल में माने,
रिश्ता इनका ऐसा न्यारा।।

त्योहारों में प्यारे हैं सबको,
भैय्या दूज और रक्षाबन्धन।
खुशी-खुशी मनाते इनको,
सारे देश के भाई-बहन।।

रचना-
ज्योति सागर (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सिसाना
बागपत, बागपत

बाल साहित्य सृजन

1

धनतेरस

धनतेरस का आया त्योहार,
दिवाली से पहले छाई बहार।
सोना चांदी पीतल तांबा,
सज गये हैं सारे बाजार।।

धनतेरस से ही होती,
दीपावली-पर्व की शुरुआत।
यम धनवन्तरी की पूजा होती,
लक्ष्मी करती धन की बरसात।।

रचना-
पूनम गुप्ता"कलिका"(स०अ०)
प्रा०वि० धनीपुर, धनीपुर
अलीगढ़

2

दीपावली

दीपावली का त्योहार आया,
साथ अपने खुशियाँ लाया।।
सबके साथ हम पूजा करेंगे,
धूमधाम से तैयारी भी करेंगे।।

घर की साफ-सफाई करके,
घर को फूलों से सजायेंगे।
मिट्टी के दीपों को जला के,
हम सब दीपावली मनायेंगे।।

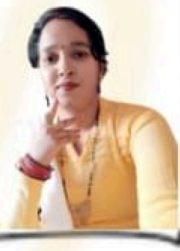

रचना-
अनुप्रिया यादव (स०अ०)
क० वि० काजीखेड़ा
खजुहा, फतेहपुर

3

गोवर्धन पूजा

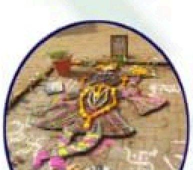

गोवर्धन पूजा का त्योहार,
बड़ा ही पवित्र मना जाता है।
यह प्रकृति के साथ मानव के,
सम्बन्ध को दर्शाता है।।

इस पवित्र त्योहार को,
अन्नकूट त्योहार भी कहते हैं।
भगवान श्री कृष्ण की पूजा करके,
सभी सुख-समृद्धि पाते हैं।।

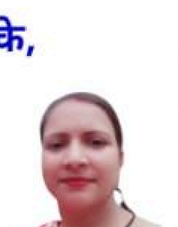

रचना-
मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात

4

भैया दूज

भैया दूज का त्योहार,
लाता है खुशियाँ अपार,
भाई बहन के अटूट प्रेम का,
है यह पावन त्योहार।।

गोला, रोली, अक्षत संग,
भाई के तिलक लगाती।
युग-युग जिये मेरा भैया,
ईश्वर से अरदास लगाती।।

रचना-
अमित गोयल (स०अ०)
प्रा० वि० निवाड़ा
बागपत, उत्तर प्रदेश

बाल साहित्य सृजन

1 लक्ष्मी पूजन

लक्ष्मी की करते हैं पूजा,
कार्तिक अमावस्या की रात।
धन समृद्धि की है पूजा,
बन जाती है बिगड़ी बात।।

साफ सफाई होती घर की,
रंगोली से सजाते द्वार।
दीप से सजते घर–आँगन,
माँ आती है सबके द्वार।।

रचना
सुषमा त्रिपाठी (स० अ०)
उ. प्रा. वि. रुद्रपुर खजनी
गोरखपुर

2 धनतेरस

कार्तिक मास की त्रयोदशी को,
धनतेरस मनाया जाता है।
हर घर के द्वार पर,
दीपक जलाया जाता है।।

मृत्यु के देवता यमराज और,
भगवान धन्वन्तरि को पूजते है।
वैभव व समृद्धि प्राप्ति के लिए,
धनतेरस मनाया जाता है।।

रचना
रुपी त्रिपाठी (स०अ०)
उ० प्रा० वि० लोहारी
सरवनखेड़ा, कानपुर देहात

3 नर्क चतुर्दशी

कार्तिक कृष्ण चतुर्दशी को,
मनायी जाती नर्क चतुर्दशी।
छोटी दीवाली भी कहलाती,
घर का कोना-कोना रोशन करती।।

श्रीकृष्ण ने किया नरकासुर वध,
राक्षस जो आततायी था बहुत।
यमराज की करते पूजा याचना,
अकाल मृत्यु से बचने की प्रार्थना ।।

रचना
सुमन पाण्डेय (प्र०अ०)
प्रा० वि० टिकरी-मनौटी
खजुहा, फतेहपुर

4 गोवर्धन पूजा

कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष में,
करते गोवर्धन की पूजा।
प्रतिपदा तिथि को आवाहन करते,
अन्नकूट पर्व है दूजा।।

अतिवृष्टि किया जब इंद्रदेव ने,
भयभीत हुआ सब जनमानस।
गोवर्धन पर्वत उठाया जब श्याम ने,
तब मुदित हुआ गोकुलधाम।।

रचना
प्रतिमा उमराव (स०अ०)
उ० प्रा० वि० अमौली (1-8)
अमौली, फतेहपुर

बाल साहित्य सृजन

1

मन्दिर

मन्दिर, मस्जिद, चर्च और,
गुरुद्वारों के आकार अलग।
सबके धर्म अलग हैं मन्दिर,
सबके देवी-देव विलग।।

मन्दिर में विराजे, राम-कृष्ण,
अरु शिव, दुर्गा, गणेश, काली।
कहीं विराजे भैरव, हनुमत,
पुजारी नियुक्त, रक्षक माली।।

रचना-
जुगल किशोर त्रिपाठी (शि०मि०)
प्रा० वि०- बम्हौरी
मऊरानीपुर, झाँसी

2

मस्जिद

मस्जिद है पावन स्थल,
मुस्लिम का पूजा स्थल।
पढ़ते जहाँ नमाज़ मिल सब,
जल से करके वजू निर्मल।।

हरे रँग से रँगी मस्जिद,
होती यहाँ अज़ान प्रतिदिन।
अल्लाह को करते याद सब,
जुम्मा है इनका खास दिन।।

रचना-
सुप्रिया सिंह (स०अ०)
कम्पोजिट वि०- बनियामऊ
मछरेहटा, सीतापुर

3

गुरूद्वारा

मस्जिद में मुस्लिम भजें,
हिन्दू भजें मन्दिर के द्वारा।
चर्च में भजें ईसाई,
सिक्ख भजें गुरूद्वारा।।

गुरूग्रंथ साहिब को माने,
करे लंगर की बात।
केश, कंधा, कड़ा, कच्छ,
कृपाण है इनकी सौगात।।

रचना-
भावना शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

4

चर्च

जैसे हिन्दू मन्दिर में जाते,
और मुस्लिम मस्जिद में जाते।
ऐसे ही ईसाई धर्म को मानने वाले,
अपने धर्म-स्थल चर्च में जाते।।

भगवान यीशु से करते प्रार्थना,
और फादर से करते याचना।
माँगते माफी गलत कर्मों की,
खाते सौगन्ध अच्छे कर्मों की।।

रचना-
सीमा शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि०- निवाड़ा
बागपत, बागपत

मिशन शिक्षण संवाद

बाल साहित्य सृजन

रचनाकारों की सूची

1- सुप्रिया सिंह, सीतापुर
2- भावना शर्मा, मेरठ
3- जुगल किशोर, झाँसी
4- सीमा शर्मा, बागपत
5- नैमिष शर्मा, मथुरा
6- उमा ठाकुर, मथुरा
7- शहनाज़ बानो, चित्रकूट
8- ज्योति विश्वकर्मा, बाँदा
9- आरती यादव, कानपुर देहात
10- इला सिंह, फतेहपुर
11- नीलम भास्कर, बागपत
12- माला सिंह, मेरठ
13- हेमलता गुप्ता, अलीगढ़
14- वन्दना यादव, जौनपुर
15- शिप्रा सिंह, फतेहपुर
16- ज्योति सागर, बागपत
17- पूनम गुप्ता, अलीगढ़
18- अमित गोयल, बागपत
19- अनुप्रिया यादव, फतेहपुर
20- मृदुला वर्मा, कानपुर देहात
21- प्रतिमा उमराव, फतेहपुर
22- सुमन पाण्डेय, फतेहपुर
23- सुषमा त्रिपाठी, गोरखपुर
24- रूपी त्रिपाठी, कानपुर देहात

तकनीकी सहयोग

1- नैमिष शर्मा, मथुरा
2- जितेन्द्र कुमार, बागपत

मार्गदर्शन- राजकुमार शर्मा, चित्रकूट

संकलन :- काव्यांजलि दैनिक सृजन टीम